Subject :- Sanskrit
Class – VI

पाठ का नाम – ईश-वंदना

हिन्दी अनुवाद

श्लोक न० 1. त्वमेव माता च ---------- देव-देव ॥1॥
अर्थ – बच्चे भगवान से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि – हे देव! तुम ही माता हो और तुम ही पिता हो, तुम ही भाई हो और तुम ही मित्र हो, तुम ही विद्या अर्थात् ज्ञान हो और तुम ही धन-दौलत हो तथा तुम ही मेरा सब कुछ हो।

श्लोक न० 2. पालक: मातृ-तुल्य: ---------- माधव: ॥2॥
अर्थ – बच्चे भगवान से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि – जो माता के समान पालन-पोषण करने वाला है, पिता के समान रक्षा करने वाला है तथा जो भाई के समान सहायता करने वाला है, वह माधव अर्थात् भगवान श्री कृष्ण मेरी रक्षा करें।

श्लोक न० 3. मूकं करोति ---------- माधवम् ॥3॥
अर्थ – भगवान श्री कृष्ण की महिमा को बताते हुए श्लोककार कहता है कि – जिनकी कृपा गूंगे व्यक्ति को अत्यधिक बोलने वाला बना देती है तथा लंगड़े व्यक्ति को पर्वत लाँघने में समर्थ कर देती है, मैं उस परम आनन्द-स्वरूप माधव अर्थात् भगवान श्री कृष्ण की वंदना करता हूँ।

अभ्यास कार्यम्

लिखितम्

प्रश्न 3. एकपदेन उत्तरत (एक पद में उत्तर दीजिए)
(i) क: एव बन्धु: ?
उत्तरम्- देव: / ईश्वर:

(ii) मातृतुल्य: पालक: क: ?
माधव: / श्रीकृष्ण:

(iii) कः माम् रक्षतु ?
उत्तर- माधवः / श्रीकृष्णः

(iv) कम् गिरिं लङ्घयते ?
उत्तर- पङ्गुम्

(v) कः द्रविणम् एव ?
उत्तर- देवः / ईश्वरः

प्रश्न 4. रिक्त-स्थानानि पूरयत (रिक्त स्थान पूरे कीजिए) -
(i) त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुः च सखा त्वमेव।

(ii) भ्रातृतुल्यः सहायः यः स माम् रक्षतु माधवः।

(iii) मूकं करोति वाचालम्, पङ्गुम् लङ्घयते गिरिम्।

(iv) त्वमेव विद्या द्रविणम् त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव-देव।

प्रश्न 5. विलोम-पदानि मेलयत (विलोम पदों को मिलाइए)

उत्तर-

सखा	—	शत्रुः
विद्या	—	अविद्या
सर्वम्	—	किञ्चित्
रक्षकः	—	भक्षकः
मूकः	—	वाचालः
कृपा	—	घृणा
आनन्दं	—	दुःखम्

प्रश्न 6. पर्यायवाचि-पदानि चित्वा शब्दानाम् सम्मुखम् लिखत।
(पर्यायवाची पदों को चुनकर शब्दों के सामने लिखिए)

(i) गिरिः - पर्वतः, नगः।
(ii) द्रविणम् - धनम्, वित्तम्।
(iii) देवः - ईश्वरः, प्रभुः।
(iv) माधवः - श्रीकृष्णः, केशवः।

पाठ का नाम - द्वितीयः पाठः - पुनरावृत्तिः

हिन्दी अनुवाद —

- प्रथमा विभक्तिः —
एक छात्र पढ़ता है।
दो बच्चे खेलते हैं।
अनेक चिड़ियाँ उड़ती हैं।

- द्वितीया विभक्तिः —
एक छात्र पुस्तक पढ़ता है।
दो बच्चे दो पुस्तकें पढ़ते हैं।
सभी लोग समाचार-पत्रों को पढ़ते हैं।

- तृतीया विभक्तिः —
एक छात्र कलम से लिखता है।
वह दोनों आँखों से देखता है।
वह पत्थर के टुकड़ों से खेलता है।

- चतुर्थी विभक्तिः —
गुरु को नमस्कार है।
छात्र ज्ञान के लिए पढ़ता है।
दो अध्यापकों को नमस्कार है।
गुरु दो छात्रों को ज्ञान देते हैं।
सभी देवों को नमस्कार है।
राजा ब्राह्मणों को वस्त्र देता है।

- पञ्चमी विभक्तिः —
पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
दो कुर्सियों से दो बच्चे गिरते हैं।
अनेक लताओं से फूल गिरते हैं।

- षष्ठी विभक्तिः —
यह बालक की गेंद है।
दो अध्यापकों के हाथ में दो पुस्तकें हैं।
सभी बंदरों की चंचलता प्रसिद्ध है।

- सप्तमी विभक्ति :—

वृक्ष पर घोंसला है।
(तुम सब) दोनों द्वारों पर अनेक दीपकों को रखो।
छात्रों में राम श्रेष्ठ है।

- संबोधनम् —

हे ईश्वर ! रक्षा करो / कीजिए।
हे दो बच्चों ! (तुम दोनों) यहाँ आओ।
हे देवताओं ! प्रसन्न / खुश होइए।

अभ्यास कार्यम्

लिखितम्

प्रश्न २. शब्दानाम् मेलनम् उचितविभक्तिभिः सह कुरुत।
(शब्दों का मेल उचित विभक्तियों के साथ कीजिए)

उत्तर—

काकः	—	प्रथमा विभक्तिः
बालकस्य	—	षष्ठी विभक्तिः
नरैः	—	तृतीया विभक्तिः
वानरान्	—	द्वितीया विभक्तिः
सिंहात्	—	पञ्चमी विभक्तिः
रामेषु	—	सप्तमी विभक्तिः
छात्राय	—	चतुर्थी विभक्तिः
हे कृष्ण !	—	सम्बोधनम्

प्रश्न ३. उदाहरणम् अनुसृत्य अत्र : शब्दानाम् उचित - विभक्ति - पदैः सह प्रदत्तेषु रिक्तस्थानेषु 'आम्' 'न' वा लिखत।
(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों को उचित विभक्ति पदों के साथ दिए गए रिक्त स्थानों में 'आम्' अथवा 'न' लिखिए।)

शब्द	विभक्तिः	विभक्ति-पदानि	
यथा - सिंहः	सप्तमी विभक्तिः, एकवचनम्	सिंहे	न
सूर्यः	तृतीया विभक्तिः, एकवचनम्	सूर्याभ्याम्	न
नरः	सप्तमी विभक्तिः, एकवचनम्	नरे	आम्
वृद्धः	द्वितीया विभक्तिः, द्विवचनम्	वृद्धौ	आम्

शब्द	विभक्तिः	विभक्ति-पदानि	
बालकः	पंचमी विभक्तिः, बहुवचनम्	बालकस्य	न
दीपकः	षष्ठी विभक्तिः, बहुवचनम्	दीपकानाम्	आम्
पुत्रः	चतुर्थी विभक्तिः, एकवचनम्	पुत्राय	आम्

प्रश्न 4. पदानाम् वाक्यप्रयोगं कुरुत।
(पदों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

यथा - पत्राणि - वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
उत्तर- विद्यालये - अहम् विद्यालये पठामि।
अश्वात् - अश्वारोही अश्वात् पतति।
नेत्राभ्याम् - जनाः नेत्राभ्याम् पश्यन्ति।

प्रश्न 5. रिक्तस्थानानि पूरयत (पुल्लिङ्गे)
उत्तर- [रिक्त स्थान पूरे कीजिए (पुल्लिंग में)]

शब्दः	विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
यथा -				
रामः	प्रथमा विभक्तिः	रामः	रामौ	रामाः
वृक्षः	द्वितीया विभक्तिः	वृक्षम्	वृक्षौ	वृक्षान्
वानरः	तृतीया विभक्तिः	वानरेण	वानराभ्याम्	वानरैः
अमरः	चतुर्थी विभक्तिः	अमराय	अमराभ्याम्	अमरेभ्यः
अश्वः	पंचमी विभक्तिः	अश्वात्	अश्वाभ्याम्	अश्वेभ्यः
अध्यापकः	षष्ठी विभक्तिः	अध्यापकस्य	अध्यापकयोः	अध्यापकानाम्
नृपः	सप्तमी विभक्तिः	नृपे	नृपयोः	नृपाणाम्

प्रश्न 6. रिक्तस्थानानि पूरयत (स्त्रीलिङ्गे) [रिक्त स्थान पूरे कीजिए (स्त्रीलिंग में)]

शब्द	विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर-				
यथा - लता	प्रथमा विभक्तिः	लता	लते	लताः
बाला	द्वितीया विभक्तिः	बालाम्	बाले	बालाः
महिला	तृतीया विभक्तिः	महिलया	महिलाभ्याम्	महिलाभिः
चटका	चतुर्थी विभक्तिः	चटकायै	चटकाभ्याम्	चटकाभ्यः
अजा	पंचमी विभक्तिः	अजायाः	अजाभ्याम्	अजाभ्यः
गायिका	षष्ठी विभक्तिः	गायिकायाः	गायिकयोः	गायिकानाम्
अध्यापिका	सप्तमी विभक्तिः	अध्यापिकायाम्	अध्यापिकयोः	अध्यापिकासु
बालिका	संबोधनम्	हे बालिके!	हे बालिके!	हे बालिकाः!

तृतीय पाठः - अस्माकम् सहायकाः

हिन्दी अनुवाद:→

यह किसान है।
वह खेतों में हल चलाता है और बीज बोता है।
धरती से अनाज और सब्जियाँ उगाता है।

यह कुम्हार है। वह घड़ा बनाता है।
वह मिट्टी से विभिन्न बर्तन बनाता है।

यह बढ़ई है। वह लकड़ी से वस्तुएँ बनाता है।

यह माली है। वह फूल चुनकर माला बनाता है।

यह मोची (-चमार) है। वह चमड़े से जूते-चप्पल बनाता है।

यह लोहार है। वह लोहे से अस्त्र-शस्त्र और उपकरण बनाता है।

यह दर्जी है।
वह सिलाई-मशीन से कपड़े सिलता है।

यह मिस्त्री है। वह ईंटों से घर बनाता है।

ये सभी लोग अपना-अपना कार्य करके हमारी सहायता करते हैं।

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(i) कृषकः किम् करोति?
उत्तर- कृषकः क्षेत्रेषु हलं कर्षति बीजानि च वपति।

(ii) मृत्तिकायाः पात्राणि कः रचयति ?
उत्तर:- मृत्तिकायाः पात्राणि कुम्भकारः रचयति।

(iii) वस्त्राणि कः सीव्यति ?
उत्तर:- वस्त्राणि सौचिकः सीव्यति।

(iv) लौहकारः किम् करोति ?
उत्तर:- लौहकारः लौहेन अस्त्र-शस्त्राणि उपकरणानि च निर्माति।

(v) तक्षकः काष्ठैः किम् करोति ?
उत्तर:- तक्षकः काष्ठैः विविधानि वस्तुनि रचयति।

(vi) पादत्राणानि कः रचयति ?
उत्तर:- पादत्राणानि चर्मकारः रचयति।

3: संस्कृत में अनुवाद कीजिए:-

(1) किसान खेतों में हल चलाता है।
अनु. कृषकः क्षेत्रेषु हलं कर्षति।

(2) बढ़ई लकड़ी की वस्तुएँ बनाता है।
अनु. तक्षकः काष्ठ वस्तुनि निर्मायति।

(3) वह मोची है
अनु. सः चर्मकारः अस्ति।

4. वह दर्जी है।
अनु. सः सौचिकः अस्ति।

5. अध्यापक संस्कृत पढ़ाते हैं।
अनु. अध्यापकः संस्कृतम् पाठयति।

****